

BAHI-302

History of Uttarakhand

उत्तराखण्ड का इतिहास

Bachelor of Arts (History) B.A.-12/16/17

3rd Year, Examination, 2019 (June)

Time : 3 Hours]

Max. Marks : 80

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into three (03) sections A, B and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

SECTION-A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

(2×19=38)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write a note on the geography and Environment of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड के भूगोल एवं पर्यावरण पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. Write an essay on the Garhwal during the Panwars.

पंवार कालीन गढ़वाल पर एक निबन्ध लिखिए।

3. Describe the important religious places of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड के महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थलों का वर्णन कीजिए।

4. Describe the folk art and music of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड की लोक कला एवं संगीत का वर्णन कीजिए।

SECTION-B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of eight (08) marks each. Learners are required to answer any four (04) questions only.

(4×8=32)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Briefly discuss the following :

निम्नलिखित की संक्षेप में चर्चा कीजिए :

1. Oral tradition.

मौखिक परंपरा।

2. Cup marks.

कप मार्क्स।

3. Taleswar Copper Plates.

तालेश्वर ताम्रपत्र।

4. Status of women in pre-independent Uttarakhand.

स्वतन्त्रता-पूर्व उत्तराखण्ड में महिलाओं की प्रास्थिति।

5. Handicrafts of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड का हस्तशिल्प।

6. Gaura Devi and Chipko movement.

गौरादेवी एवं चिपको आंदोलन।

7. Folk Dances of Uttarakhand.

उत्तराखण्ड के लोक नृत्य।

8. Modern press and News papers in Uttarakhand.

उत्तराखण्ड में आधुनिक प्रेस एवं समाचार पत्र।

SECTION-C/(खण्ड-ग)

(Objective Type Questions)/(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section 'C' contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this section are compulsory. (10×1=10)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Write True or False against the following :

निम्नलिखित के आगे सत्य अथवा असत्य लिखिए :

1. Core method for making stone tools was in vogue in North India.

पाषाण उपकरणों के निर्माण हेतु क्रोड प्रणाली उत्तर भारत में प्रचलित थी।

2. Kirti Shah founded girls school in Tehri State.

टिहरी रियासत में कीर्तिशाह ने कन्या पाठशाला की स्थापना की।

3. Manodaya Kavya was written by Bharat Kavi.

मानोदय काव्य की रचना भरत कवि ने की थी।

4. 'Garhrajyavamsa Kavya ' was written by Molaram.

‘गढ़राज्यवंशकाव्य’ मौलाराम द्वारा लिखा गया था।

5. Main entrance of the houses of Kumaun is called 'Kholi'.

कुमाऊँनी भवनों के मुख्य प्रवेश द्वार को ‘खोली’ कहा जाता है।

Fill in the Blanks :

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. Ganeshtirtha (Ganesh prayag) mentioned in Kedarkhand can be associated with the present city

केदारखण्ड में वर्णित गणेश तीर्थ (गणेश प्रयाग) के आधुनिक नगर से समीकृत किया जा सकता है।

7. Archaeological remains of are found from the villages of Naula-Jonal.

नौला-जैनल गांव से के पुरातात्विक अवशेष मिले हैं।

8. Huentsang mentioned the kingdom of in his Uttarakhand visit.

व्हेनसांग ने अपनी उत्तराखण्ड यात्रा में राज्य का उल्लेख किया।

9. By the treaty of in 1815 Kumaun and Garhwal was annexed by the Britishers.

1815 की संधि के द्वारा अंग्रेजों ने कुमाऊँ और गढ़वाल का अधिग्रहण किया।

10. In 1917 Hari Krishna Raturi edited , which was used in the State Courts.

1917 में हरिकृष्ण रतूड़ी ने संपादित किया जिसे राज्य के न्यायालयों में प्रयुक्त किया गया।
